मूल्य - 5 रु.

बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक
अगस्त - 2016
वर्ष 4, अंक 10, पृ.सं. 20

गौरी योजना विशेषांक

गौरी योजना की लाभार्थी श्रीमती मंजू सालवी अपने बच्चों के साथ प्रसन्नचित्त

नवीन प्रकल्प :–

तारा संस्थान में "मस्ती की पाठशाला!"

तारा संस्थान ने अपने एक नए प्रकल्प के अन्तर्गत दि. 1 जुलाई, 2016 से शहर की कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु एक विषेष अभियान "मस्ती की पाठषाला" शुरू की है। इसमें बच्चों को प्रारम्भिक षिक्षा के अतिरिक्त ढंग से रहन–सहन की षिक्षा भी दी जाती है। साथ–ही–साथ उन्हें नाष्ता व कुछ रुपए कैष दिए जाते हैं।

विशिष्ट कार्यक्रम :–

"जोड़ी फोरएवर"

अगर आपके विवाह को 50 वर्ष या अधिक हो चुके है, तो आप आमन्त्रित हैं तारा संस्थान के कार्यक्रम "एक आवाज" में

इन चैनलों पर आपकी बातचीत प्रसारित की जाएगी।

पारस

आस्था भजन

आस्था

आपके विवाह के 50 या अधिक वर्ष हो गए हों तो आप तारा संस्थान, उदयपुर पधारें। चूंकि तारा संस्थान बुजुर्गों के कल्याण हेतु काम कर रहा है सो आप से मिलकर हमें अत्यन्त प्रसन्नता होगी। साथ–ही–साथ, आपको अपने जीवन साथी के साथ उम्र के इस पड़ाव पर पहुँचने में किस प्रकार के खट्टे–मिट्ठे अनुभव हुए उस बातचीत की वीडियो रिकॉडिंग कर हमारे कार्यक्रम ''एक आवाज'' द्वारा विभिन्न चैनलों जैसे – पारस, आस्था–भजन पर प्रसारित किया जाएगा। आपके उदयपुर प्रवास के दौरान आवास व भोजन इत्यादि की व्यवस्था तारा संस्थान द्वारा की जायेगी। **अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें फोन नं. +91 95493 99993**

एक शब्द में, यह आदर्श है कि तुम परमात्मा हो।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय — **पृष्ठ संख्या**

नवीन प्रकल्प / विशिष्ट कार्यक्रम 02
अनुक्रमणिका 03
''गौरी'' एक माँ.... सिर्फ बच्चों के लिए....04
सादर आमन्त्रण....05
गौरी योजना विशेष : लाभार्थी 06-09
नवीन तारा नेत्रालय, फरीदाबाद / मानसून हेल्थ टिप्स....10-12
प्रतिक्रिया....13
अपील : भूमि अनुदान / भूमि दान दाताओं की सूची....14
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर 15
स्वागत....16
धन्यवाद....17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश "मानव" की सन्निधि में
साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

"गौरी"

एक माँ... सिर्फ बच्चों के लिए...

मैंने बचपन में एक कहानी पढ़ी थी पूरी कहानी तो याद नहीं कर तो धुंधली सी यादे हैं, उसका कुछ सार इस प्रकार है कि ''एक मुर्गी अपने चूजों के साथ रहती है और उसे पता चलता है कि अगले दिन उसे काटा जाएगा तो वो अपने चूजों से कहती है कि कल मैं तुमसे दूर चली जाऊँगी तो बच्चे पूछते हैं कि कहाँ जाओगे तो वापे आसमान के तारों को दिखाकर कहती है कि मैं भी एक तारा बन जाऊँगी और वहाँ से तुम सबको देखुंगी.... अगले दिन मुर्गी काट दी जाती है और बच्चे भी उसके बिछोह में प्राण त्याग देते हैं''

वैसे तो पशुओं में परिवार व्यवस्था बहुत ज्यादा नहीं होती है लेकिन माँ और बच्चों का रिष्ता तो विषेष होता ही है। कई बार मैंने डिस्कवरी चैनल पर देखा है हिरण या गाय को अपने बच्चों को बचाने के लिए शेर या चीते से लड़ते हुए और कभी–कभी तो वे अपने बच्चे को बचाने में कामयाब भी हो जाती हैं। सच में वो माँ ही होती है जो अपने बच्चे के लिए अपने प्राण दांवपर लगाने की हिम्मत रखती है।

गौरी योजना पर आधारित तारांषु का यह अंक है तो माँ–बच्चों की बात तो होनी ही थी। मनुष्य प्रजाती तो पूरी तरह परिवार आधारित है और भारत में विषेषकर निम्न आय वर्ग में इस परिवार को चलाने की जिम्मेदारी पुरुष की ही होती है और जब परिवार का कमाने वाला सदस्य ही नहीं रहे तो। आप और हम सोच भी नहीं सकते इतनी कठिन परिस्थितियों से छोटी–छोटी लड़कियाँ हर पल लड़ती हैं। हमारे समाज की रूढ़ियाँ इन्हें पुर्नविवाह नहीं करने देती.... परिवार और बाहर के भेड़ियों से खुद को बचाते हुए ये लड़कियाँ पूरी जिन्दगी एक ही लक्ष्य को लेकर चलती हैं कि मेरे बच्चे पढ़ लिख जाऐ। वे अपनी सारी इच्छाएँ मारकर अपना सब कुछ बच्चों पर खर्च करना चाहती हैं ताकि बच्चे कुछ बन जाऐ आँखों में इतना–इतना दर्द है कि आप जरा सा पूछों तो छलक जाती हैं।

एक महिला होने के नाते इस दर्द का एहसास शायद अधिक होता है तभी तो वृद्धजनों के लिए कार्य करते हुए भी थोड़ी छूट ले ली जिससे कि इन दर्द का पहाड़ झेल रही बेटियों को सहारा मिल सके और हाँ हमारी बहुत सी दानदाता महिलाऐं भी तो हैं तो वे भी इनका दर्द बांटना चाहेगी ही। बस इसलिए ये ''गौरी'' योजना है जो इन हर पल लड़ती बच्चियों को थोड़ी सी ताकत देती है। 1000 रु. के क्या माचने हैं ये जब आप उनसे मिलेंगे तो आपको पता चलेगा और मैं चाहुँगी कि आप जब भी उदयपुर आए एक दो गौरी योजना की लाभार्थियों से जरूर मिलिएगा आपको 1000 रु. की ताकत पता चल जाएगी। मुझे अच्छी तरह पता है कि तारा संस्थान, आप या मैं कोई भी सारी विधवा महिलाओं का दुख दूर नहीं कर सकते है लेकिन जितनी भी महिलाओं को सुकून दे सकें वो क्या कम है और ये सिलसिला खत्म थोड़े हो रहा है जैसे–जैसे दानदाता जुड़ेंगे और एक माँ को मदद मिलती चली जाएगी....

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

जल्दी गुस्सा करना जल्द ही आपको मूर्ख साबित कर देगा।

तारा संस्थान, उदयपुर

के नवीन वृद्धाश्रम निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह

सादर आमन्त्रण

मान्यवर!

तारा संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। इसका भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक :- मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2016
समय :- प्रातः 10.30 बजे

यह समारोह हम आपकी साक्षी में मनाना चाहते हैं। अतः इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए आपको सादर आमन्त्रित करते हुए निवेदन कर रहे हैं कि कृपया मंगलवार, 11 अक्टूबर, 2016 को आयोज्य वृद्धाश्रम के नवीन परिसर के भूमि पूजन समारोह में पधार कर हमारा उत्साहवर्धन करें।

कृपया समारोह में पधारने की पुष्टि मो. +91 9549399993, 9649399993 पर करने का कष्ट करें।

कार्यक्रम समय सारणी

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2016 (मंगलवार)

समय	कार्यक्रम
प्रातः 8.00 बजे	: उदयपुर आगमन
8.00 से 10.00	: चाय नाष्ता
10.00 से 10.30	: होटल से प्रस्थान व वृद्धाश्रम नवीन परिसर पर पहुँच
10.30 से 11.30	: भूमि पूजन कार्यक्रम
11.30 से 12.00	: भूमि पूजन स्थल से होटल समारोह स्थल पर पहुँच
12.00 से 2.00	: सम्मान समारोह
2.00 से 3.00	: भोजन महाप्रसाद
3.00 से	: होटल में विश्राम व सुविधानुसार उदयपुर विजिट

दिनांक : 12 अक्टूबर, 2016 (बुधवार)

समय	कार्यक्रम
प्रातः 8.00 से 11.30	: नाथद्वारा, श्री नाथ जी दर्षन
12.00 से 2.00	: तारा संस्थान विजिट
2.00 से 3.00	: भोजन महाप्रसाद

उक्त कार्यक्रम हेतु आवास, अल्पाहार एवम् भोजन की सम्पूर्ण व्यवस्था तारा संस्थान द्वारा की जाएगी।

गौरी योजना विशेष :- हेमलता राजपूत

तीन बच्चों के भविष्य की खातिर ससुराल छोड़ा

2 साल से प्रतिमाह 1000/- मिल रहा है संस्थान से

14 साल पहले बड़े नयी-नवेली दुल्हन हेमलता जब बड़े अरमानों के साथ ससुराल पहुँची तो उसे क्या मालुम था कि उसका जीवन नारकीय हो जाने वाला था। पति शराबी और निठल्ला निकला, ऊपर से किसी अन्य स्त्री से सम्बन्ध होने का पता चला। वह आये दिन झगड़ा कर हेमलता से मारपीट करता। जब सास-ससुर को शिकायत की तो उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया उल्टे उसे ही फटकार देते थे। कई सालों तक यही सिलसिला चलता रहा, जब बच्चे हो गए तो उनके साथ भी वही दुर्व्यवहार। आखिरकार 3 बच्चों के भविष्य की खातिर उन्हें लेकर हेमलता अपने पीहर चली आई। यहाँ जैसे-तैसे, छोटा-मोटा काम करके जीवन चला रही है। तारा संस्थान ने उनको गौरी योजना में सम्मिलित किया साथ -ही-साथ उनकी एक बालिका को शिखर भार्गव स्कूल में मुफ्त शिक्षा हेतु दाखिला दे दिया, कुछ तो राहत मिली। **हेमलता ईश्वरतुल्य दानदाताओं की हृदय से आभारी हैं।**

गौरी योजना विशेष :- इन्द्रा पाहुजा

एक ही सपना : बेटी को पढ़ा-लिखा कर बेहतर जीवन देना

तारा संस्थान 2 वर्ष से मदद कर रहा है।

इंद्रा के छोटे से खुशहाल परिवार पर एक दिन मुसीबतों का वज्रपात सा हुआ जब पता चला कि उनके पति को हृदय रोग हो गया था। इलाज चलते-2 इतना खर्चा हुआ कि सारी जमा-पूंजी ही समाप्त हो गयी। फिर उनका छोटा सा मकान भी बिक गया। फिर भी अंततः पति की मृत्यु हो गई। पीछे रह गए विधवा इंद्रा और उनकी 13 साल की पुत्री। पैसे के नाम पर एक फूटी कौड़ी भी नहीं रही पर अपनी बच्ची को बेहतर जीवन देने के मकसद से इंद्रा ने हार नहीं मानी। सिलाई और दूसरों के घरों में खाना बनाने आदि के कार्य करते हुए उन्होंने बच्ची की पढ़ाई जारी रखी। विधवा इन्द्रा का कहना है कि तारा संस्थान की गौरी योजना के अंतर्गत मिल रही मदद से वह अपनी बालिका को प्राइवेट स्कूल में पढ़ा पा रही है ताकि वह एक बेहतर जीवन जी सके। **इन्द्रा पाहुजा तारा संस्थान को धन्यवाद देते हुए कहती है कि समस्त दानदाताओं को हर गरीब स्त्री की दुआ लगे और उनका जीवन में अपार सुखः समृद्धि आए।**

मूर्ख दूसरों पर हँसते हैं, बुद्धिमान खुद पर।

गौरी योजना विशेष :– कुसुम मेघवाल

मेरे पिता मुझे कब तक पालेंगे?

मात्र 29 वर्षीया कुसुम का जीवन अच्छा बसर हो रहा था कि अचानक 3 साल पहले उसके पति की मृत्यु हो गयी। तत्पश्चात उसके ससुराल वालों ने उसे वहां रखने से इनकार कर दिया। मुसीबत की मारी कुसुम ने अपनी दो छोटी–छोटी बच्चियों के साथ पीहर चली आयी। इसके पिता जैसे–तैसे मजदूरी कर 2 बहनों, 1 भाई व माँ को पाल रहे थे कि कुसुम और उसकी बच्चियों की जिम्मेदारी उनके कन्धों पर आ गिरी। कुसुम के पास कोई काम नहीं है। उसके पिता कहते है कि आखिर कब तक कुसुम को पालेंगे। इधर उसकी बच्चियाँ भी स्कूल जाने लायक हो गयी पर क्या करें, कौन उठाएगा उनकी पढ़ाई का खर्चा? फिर, एक दिन तारा संस्थान ने इन्हें गौरी योजना हेतु चिन्हित कर 1000/– रु. मासिक पेंशन देनी आरम्भ की तो इनकी जान में जान आई। इस राशि से उसके घर और बेटियों के भरण–पोषण में सहायता मिलती है। संस्थान ने साथ–ही–साथ दोनों बच्चियों को भी शिखर भार्गव स्कूल में निःशुल्क दाखिला दिलवा दिया। अब कुसुम और उसके पिता की चिंताएं कुछ घटी हैं। **कुसुम दानदाताओं को साभार निवेदन करती हैं कि वे उसे तब तक संबल देते रहें, जब तक उसके बच्चे बड़े होकर अपने पैरों पर खड़े ना हो जाएं।**

गौरी योजना विशेष :– मंजू सालवी

छोटे–छोटे बच्चों पर दया करें

मंजू सालवी (31 वर्ष) के पति कारीगर थे तथा मंजू स्वयं घरों में साफ–सफाई का काम करती थी। इस प्रकार ये दम्पति अपनी गृहस्थी ठीक–ठाक चला रहे थे। फिर पति बीमार पड़ गए तो काम–वाम सब छूट गया। बहुत इलाज करावाया, यहाँ तक अंधविश्वास के चलते देवी–देवताओं के यहाँ झाड़–फूँक भी करवाई पर कुछ फर्क नहीं पड़ा। एक दिन अचानक उन्होंने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। यह मंजू के जीवन का बड़ा दुःखद मोड़ था। तीन छोटी बच्चियों के साथ वह जीवन में अकेली पड़ गयी। ससुराल व पीहर वाले कभी–कभार ही मदद करते थे। कुछ घरेलु काम करके जैसे–तैसे जीवन चलाने वाली मंजू के सामने सवाल ये था कि वह कैसे उन्हें पाले, पढ़ाएँ? किस प्रकार घर का किराया चुकाएँ? अंततः तारा संस्थान से जब 1000 रु. की मदद मिलाने लगी तो कुछ कठिनाई तो कम हुई। **मंजू धन्यवाद देते हुए समस्त दानदाताओं से निवेदन करती हूँ कि "मेरे छोटे–छोटे बच्चों की तरफ देखते हुए कृपया कुछ और मदद करें।"**

गौरी योजना विशेष :– नसरीन बानो

मेरी बच्चियाँ भी लड़कों से कम नहीं होगी

तारा संस्थान ने 1 वर्ष से मुझे सहारा दिया है

नसरीन (30) पांच वर्ष पूर्व अपने पीहर दूसरी डिलीवरी हेतु आई थी, उसकी पहले से एक बेटी है। पति रईस ने सन्देश भेजा कि अगर बेटा हुआ तभी वापस लौटना। नसरीन का नसीब देखिये कि उसके फिर एक पुत्री जन्मी पति वापस लेने को तैयार नहीं नसरीन के माँ–बाप ने रईस को बहुत समझाया लेकिन वह टस–से–मस नहीं हुआ। फिर पिता ने कहा कि ऐसे आदमी से तो बच्चियों के साथ अनहोनी होने का अंदेशा भी है सो उसने नसरीन को अपनी दोनों बच्चियों के साथ अपने यहीं हमेशा के लिए रहने को कहा। पिता ने बोला– "जैसा भी हो सके, अपने बलबूते पर तुमको पालूंगा"। तबसे नसरीन अपने माँ–बाप के घर ही रह रही है। ससुराल से आज तक कोई बच्चियों को देखने तक नहीं आया। नसरीन सिलाई वगैरह करके कुछ खर्चा निकालती है। कभी–कभार रिश्तेदार बच्चियों के हाथ में कुछ रुपये जबरदस्ती दे जाते हैं। बाकी कोई आसरा नहीं है लेकिन नसरीन जी रही है तो सिर्फ इन बेटियों के लिए। फिर तारा संस्थान से मासिक पेंशन मिलने लगी तो उम्मीद की एक किरण जगी। वह कहती है "मैंने भी ठान ली है कि इन बेटियों को पढ़ा–लिखा कर इतना ऊँचा उठाऊंगी कि वे किसी भी तरह से लड़कों से कम नहीं लगें, फिर जाकर रईस की गर्दन शर्म के मारे झुक जाएगी।" **नसरीन बानो सहृदय दानदाताओं के लिए दुआ करती है कि उनको जीवन में और ज्यादा कामयाबी मिले।**

गौरी योजना विशेष :– रेखा लौहार

जानवरों के बाड़े में रह रही थी

पिछले कुछ सालों से तारा संस्थान ने न सिर्फ मुझे पेंशन दी बल्कि मेरी नौकरी लगा दी तथा बच्चों को नि:शुल्क स्कूल में भर्ती किया।

पति की मृत्यु के बाद रेखा के ससुराल वालों ने उसे व उसकी तीनों बेटियों का घर से बाहर निकाल दिया। मरती क्या न करती, रेखा ने अपनी छोटी–छोटी बच्चियों के साथ घर के बाहर स्थित एक पषुओं के बाड़े में शरण ली। यहीं रहना, जो भी इधर–उधर से मिले उसे खाना–पीना व रात को सोना भी वहीं। बेचारी लगभग पषुवत जीवन जी रही रेखा पर एक बार मीडिया का ध्यान गया और उनकी खबर पर पुलिस ने कार्रवाई कर रेखा को ससुराल वालों से एक कमरा दिलवाया। इधर तारा संस्थान ने भी उन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत मासिक पेंषन शुरू की तथा षिखर भार्गव स्कूल के उसे नौकरी भी दे दी। साथ–ही–साथ उसकी दो बेटियों को भी स्कूल में दाखिला दे दिया। **रेखा दानदाताओं को ईश्वर सा मानकर कृतज्ञ है कि उसका जीवन पुनः मानव जैसा हो पाया है।**

अगर आप सच देखना चाहते हैं तो ना सहमति और ना असहमति में राय रखिये।

गौरी योजना विशेष :– संध्या कुमावत

लकवाग्रत पति का प्रतिदिन 2500 रु. का ईलाज खर्च

साल भर पहले संध्या के पति को सिरदर्द की षिकायत होने लगी। एक दिन ऑफिस में बेहोष होकर गिर पड़े तथा शरीर पुरा लकवाग्रत हो गया। सी.टी. स्केन कराने से पता चला कि उनके ब्रेन में 90 प्रतिषत ब्लॉकेज है। इलाज शुरू हुआ, डॉक्टरों ने कहा कि दवाइयाँ ही एकमात्र तरीका है अगर ठीक हो गए तो ठीक वरना ऐसे ही बिस्तर में पड़े रहेंगे। अब साल भर हो चुका है और वंदना ने अपनी नौकरी जारी रखते हुए जैसे–तैसे 14 लाख रुपये ईलाज में लगा दिए है। ईलाज अभी भी जारी है और प्रति प्रतिदिन 2500/– का खर्चा आता है। 2 बेटों की माँ वंदना ने फिर भी हिम्मत नहीं हारी है। इधर तारा संस्थान ने उनकी गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें 5000/– प्रतिमाह की सहायता उपलब्ध कराई है।

गौरी योजना विशेष :– वंदना माली

बच्चे को आँख का कैंसर हो गया

35 वर्षीया वंदना माली की मुसीबतों का सिलसिला 2 साल पहले तब शुरू हुआ जब उनके पति हृदय की बीमारी से गुज़र गए। अचानक हुए इस हादसे के बाद वंदना पर अपने दो बच्चों व सास के भरण–पोषण की जिम्मेदारी आन पड़ी। एक स्कूल में नौकरी करके वह गुज़ारा चलाने लगी। फिर दो साल बाद एक अन्य भारी मुसीबत आ गई। उनके एक बच्चे की आँख में (Muscle Cancer) कैंसर होने का पता चला। स्थानीय डॉक्टरों ने इलाज हेतु हाथ खड़े कर दिए तो जैसे–तैसे रिष्तेदारों की वित्तीय मदद लेकर अहमदाबाद ऑपरेषन करवाया। वंदना जीवन में नितांत अकेली संघर्ष कर रही है। सोचती है कि पति होते तो राहत होती, किसनी सारी समस्याएँ हैं जीवन में कभी मकान किराया, बिजली–पानी का बिल तो कभी राषन व बच्चों की स्कूल फीस का जुगाड़। कैसे हो यह सब बिना अच्छी नौकरी के? फिर तारा संस्थान से गौरी योजना के अन्तर्गत 1000/– की सहायता मिलने पर राहत हुई है। **वह संस्थान को धन्यवाद देते हुए दानदाताओं से अपील करती है कि बच्चे के ईलाज हेतु और मदद की आवश्यकता है कृपया जो भी हो सके, करें। इससे उन्हें बहुत राहत मिलेगी।**

फरीदाबाद में एक और तारा नैत्रालय

कोई भी नया काम पूरा हो उसमें बहुत से लोगों का सहयोग चाहिये होता है और तारा संस्थान भी आप सब के सहयोग से ही सब कुछ कर पा रही है, लेकिन जब हम कोई नया काम करते हैं तो सहयोग की अपेक्षा बढ़ जाती है। कभी तो ये भी लगता है कि आप सोचते होगें कि जब हमसे पूछे बगैर नया काम शुरू कर रहें हैं, तो फिर सहयोग की अपेक्षा हमसे क्यों?? लेकिन हमें यह लगता है कि अच्छा काम तो ईष्वर की प्रेरणा से होता है और इसमें आप सभी की सहमती तो है ही तभी तो तारा संस्थान के तीनों हॉस्पीटल निःषुल्क चल पा रहे हैं तो इसलिए एक प्रयास और फरीदाबाद में कर रहे हैं जहाँ पर ''भाटिया सेवक समाज'' की ओर से निःषुल्क स्थान मिला हॉस्पीटल खोलने के लिए तो एक हॉस्पीटल फरीदाबाद में भी खोल रहे हैं जिसमें भी बहुत से गरीब बुजुर्गों का निःषुल्क आँखों का ऑपरेषन हो सकेगा। हॉस्पीटल के लिए बहुत से उपकरण चाहिये होते हैं और हमें विष्वास है कि आप सब हमें इन उपकरणों हेतु अपना सहयोग अवष्य देगें। आपका या जिनकी स्मृति में उपकरण देगें उनका नाम उस उपकरण पर अंकित कर उसका फोटो आपको भेजा जाएगा। आपके सहयोग से लिए उपकरणों से हजारों लोगों की जाँच या ऑपरेषन प्रतिवर्ष हो सकेंगे।

नये हॉस्पीटल संचालन के हेतु आवश्यक उपकरणों की सूची

क्र.सं.	उपकरण का नाम	उपकरण का उपयोग	दान राशि	उपकरणों की संख्या
1	Ophthalmic Microscope	सूक्ष्मदर्शी वह यंत्र जिसकी सहायता से नेत्र की सूक्ष्म संरचनाओं को देखा जाता है। इसकी सहायता से नेत्र संबधी ऑपरेशन किये जाते हैं।	8,95,000/-	1
2	Ophthalmic Refraction Unit	इस यूनिट के चेयर पर बैठाकर मरीजों की आँखों की जाँच व चश्मे के नम्बर निकाले जाते हैं।	94,905/-	3
3	Slit- Lamp	इसकी सहायता से नेत्र जाँच की जाती है । यह उपकरण आँख के अग्र भाग की जाँच के लिए बहुत उपयोगी है।	77,910/-	1
4	Ophthalmic Operation Table	मरीजों के ऑपरेशन के लिए काम आता है।	72,345/-	2
5	A Scan Plus	मरीजों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के दौरान जो लेन्स डाले जाते हैं, उसके नम्बर निकालने के काम आता है।	2,50,425/-	1
6	Auto Karate Refractometer	मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।	3,61,725/-	2
7	Trail Set With Frame	इसमें अलग - अलग पावर के लेन्स होते हैं जिनकी सहायता से दृष्टि दोष वाले रोगियों के चश्मे के नम्बर निकाले जाते हैं।	7,500/-	4
8	Lenso Meter	बने हुए चश्मे के नम्बर को ज्ञात किया जाता है।	22,260/-	1
9	Auto Lenso Meter	बने हुए चश्मे के नम्बर को ज्ञात किया जाता है।	1,72,515/-	1
10	Indirect Ophthalmoscope	इस उपकरण द्वारा आँख के पृष्ठ भाग की जाँच की जाती है।	50,085/-	1

11	Direct Ophthalmoscope	इस उपकरण द्वारा आँख के पृष्ठ भाग की जाँच की जाती है	29,557/-	1
12	Applanation Tono Meter	कालापानी के बारे में पता करने के लिये सहायक है।	55,650/-	1
13	Retinoscope	चश्मे के नम्बर निकालने हेतु एक सहायक उपकरण है।	35,365/-	2
14	Boyle's Apparatus	मरीजों के बेहोशी के दौरान उपयोग में इस मशीन का उपयोग होता है।	55,000/-	1
15	Phaco Machine	इस मशीन द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन अन्य विधियों के मुकाबले सुक्ष्म छेद द्वारा की जाती है।	11,25,000/-	1
16	Multipara Monitor	ऑपरेशन के दौरान रोगी की स्थिति को मोनीटर करने हेतु ।	50,000/-	1
17	Fogger Machine	ऑपरेशन थियेटर को रोगाणु मुक्त करने हेतु इस का प्रयोग किया जाता है।	27,825/-	1
18	Bipolar Coagulator	ऑपरेशन के दौरान रक्तस्त्राव को रोकने के काम आता है।	20,034/-	1
19	Non-Contact Tonometer	ऑख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव (I.O.P.) की जाँच में उपयोगी जिससे काला पानी बीमारी का पता चलता है। (बिना आँख को स्पर्श किये)	4,56,330/-	1
20	Motorized Table	उपकरणों को रखने के काम में उपयोगी है।	22,260/-	1
21	Yag Laser	मोतियाबिन्द ऑपरेशन हुए रोगियों के झिल्ली हटाने के काम में एवं काला पानी के रोगियों के जाँच के लिए उपयोगी ।	8,34,750/-	1
22	Auto Clave	ऑपरेशन सामग्री को जीवाणु मुक्त करने हेतु।	64,575/-	1
23	(Drum 10) 11*9	ऑपरेशन सामग्री को ड्रम्स में रखकर जीवाणुमुक्त करने के लिए भेजा जाता है।	10,000/-	1
24	90 D Lense	आँखों के पृष्ठ भाग के जाँच में उपयोगी।	16,995/-	1

25	20 D Lense	आँख के परदे की जाँच में उपयोगी।	13,905/-	1
26	Pulse - Oximeter	ऑपरेशन के दौरान रोगी की स्थिति को मानीटर करने हेतु।	40,000/-	1
27	Surgical Instruments	ऑपरेशन के काम लिये जाते हैं।	1,00,000/-	2

मानसून हेल्थ टिप्स

आवश्यक वस्तुएं रखे साथ

अचानक होने वाली मूसलाधार बारिश से बचने के लिए अपने साथ एक छाता अवश्य रखे, क्योंकि ऐसे मौसम में बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। अगर आप घर से कही बाहर हैं और पैदल, बाइक या स्कूटर से यात्रा कर रहे हैं, तो अपने साथ रेन–कोट रखना न भूले।

स्ट्रीट-फूड से बचे

मानसून के मौसम में लोग तला हुआ खाना और स्ट्रीट–फूड खाना बहुत पसंद करते हैं। पर इस दौरान कई बार बारिश का कुछ पानी तेल में मिल जाता है। इसलिए ऐसे समय में मिनरल पानी ही पीना चाहिए और स्ट्रीट फूड, तले हुए पदार्थ, जूस और पेय पदार्थों से परहेज रखना चाहिए, क्योंकि बारिश के पानी में कई अशुध्द लवण होते हैं, जो इन पदार्थों में मिलकर उन्हें दूषित कर देते हैं। और इस वजह से हमे कई बिमारियों का सामना करना पड़ता है।

मच्छरों के प्रकोप से बचें

बरसात के दिनों में मच्छरों की आबादी में बहुत ज्यादा वृद्धि हो जाती है, क्योंकि ऐसे समय में पानी बहुत ज्यादा हो जाता है जो की मच्छरों के एक अच्छी प्रजजन भूमि का काम करता है। अपने घर में कूलर के पानी को अच्छे से जाँच ले और रोजाना उस पानी को बदलें। घर के अन्य क्षेत्र जैसे कि फूल के बर्तन, एक्वैरियम और कुएं में भी पानी एकत्रित रहता है। इन्हे किसी कीटाणुनाशक के प्रयोग से साफ करें और ढक कर रखे।

स्क्रैचिंग से बचें

यदि आपको मच्छर ने काट लिया है तो उसे खुजालने से या स्क्रैचिंग से बचे, क्योंकि यह वायरस नाक, शरीर या मुंह के माध्यम से आपके अंदर प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए मच्छर से काटे हुए प्रभावित क्षेत्र को जितना कम हो सके, उतना कम छुएं।

बीमारियों से बचने के लिए रूमाल का उपयोग करेंद्य रूमाल को अपने साथ या अपनी जेब में रखना शिष्टाचार को दर्शाता है। बारिश के दिनों में जितना कम हो सके अपने चेहरे को स्क्रैच करें या छुएं, क्योंकि फ्लू वायरस मुंह, आँख, नाक आदि के माध्यम से आपके अंदर प्रवेश क्र सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें, जब भी जरुरत पड़े तो हाथ के बजाय रूमाल की मदद से चेहरे को पोछें या साफ करें और हाथों को चेहरे से दूर रखें।

त्वचा के संक्रमण से बचे

बरसात के दिनों में बहुत ही ज्यादा मात्रा में गटर, नालों में गंदा पानी एकत्रित हो जाता है, और फिर सडकों में फिर जमा होने लगता है। इस मौसम में अपने शरीर का कोई भी भाग अगर खुला होता है, तो उसमे गंदे पानी से होने वाले संक्रमण की सम्भावना अधिक होती है। इसलिए अनुसारघर से बाहर निकलते समय यह सुनिश्चित कर लें कि आपने अपने शरीर को ढका है या नहीं और पैरो में भी जूते पहनकर उसे अवश्य ढकें।

डायबिटीज और अस्थमा के मरीजो के लिए

अगर आप या आपके कोई रिश्तेदार डायबिटीज और अस्थमा की बिमारी से पीड़ित है, तो इस बात का अवश्य ध्यान रखे कि बारिश के दिनों में पीड़ित गीली दीवारों के पास ना सोएं। क्योंकि, गीली दीवार के पास सोने से शरीर के अंदर कवक के विकास को बढ़ावा मिलता है, जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक साबित हो सकता है।

अब तक की सबसे बड़ी वैज्ञानिक खोज विज्ञान खुद है।

दानवीरों, पाठकों व लाभान्वितों के विचार

सुश्री विद्या दत्ता नादगेरी
कलबुर्जी

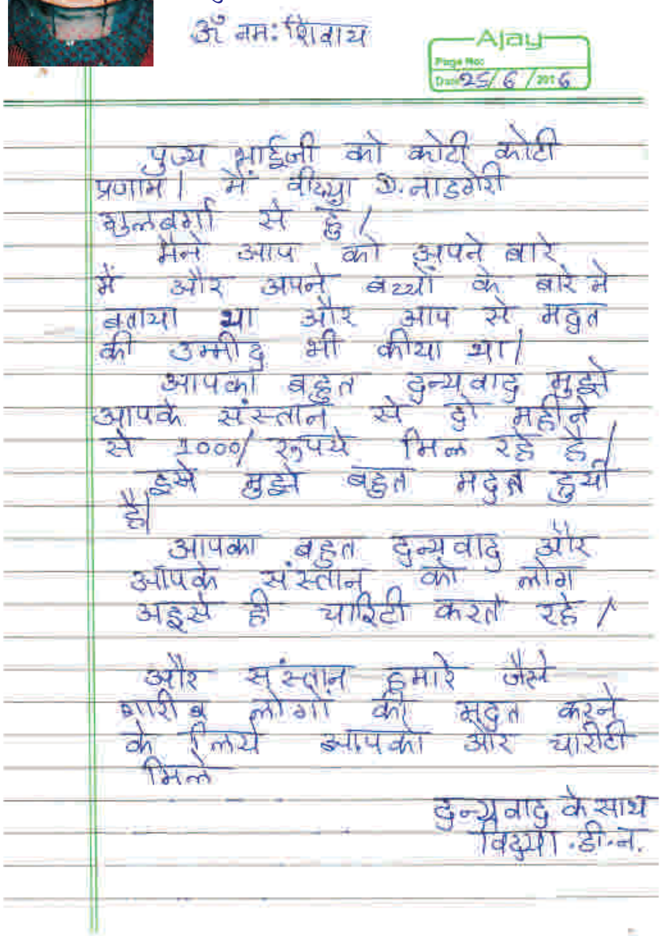

ॐ नमः शिवाय

Ajay
Page No:
Date 25/6/2016

पुज्य भाईजी को कोटी कोटी प्रणाम। मैं वीद्या D. नाडगेरी कुलबर्गी से हुं।
मैंने आप को अपने बारे में और अपने बच्चों के बारे मे बताया था और आप से मदत की उम्मीद भी कीया था।
आपको बहुत धन्यवाद मुझे आपके संस्तान से दो महीने से 1000/ रुपये मिल रहे है। इससे मुझे बहुत मदत हुयी है।
आपका बहुत धन्यवाद और आपके संस्तान को लोग अइसे ही चारिटी करते रहे।
और संस्तान हमारे जैसे गारीब लोगों की मदत करने के लिये आपको और चारिटी मिले
धन्यवाद के साथ
विद्या डी.न.

श्री संतोष बी. गुप्ता
अमरावती

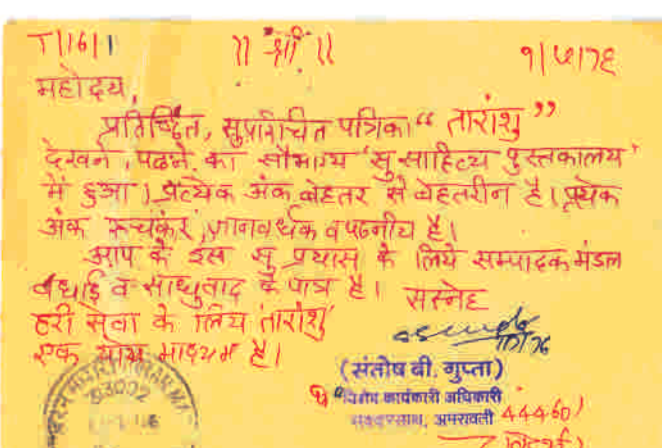

T।।6।।	।। श्री ।।	१।५।२६
महोदय,
प्रतिष्ठित, सुपरिचित पत्रिका "तारांशु" देखने, पढ़ने का सौभाग्य 'सुसाहित्य पुस्तकालय' में हुआ। प्रत्येक अंक बेहतर से बेहतरीन है। प्रत्येक अंक रुचिकर, ज्ञानवर्धक व पठनीय है।
आप के इस सु प्रयास के लिये सम्पादक मंडल बधाई व साधुवाद के पात्र है। सस्नेह
हरी सेवा के लिय तारांशु एक श्रेष्ठ माध्यम है।
(संतोष बी. गुप्ता)
विशेष कार्यकारी अधिकारी
... अमरावती 444601
(महाराष्ट्र)

From
Mr. Satya Prakash Singhal
spsinghal12@gmail.com

Respected Kalapnaji

My grand daughters namely Nishchala singhal, Shreya Singha & Kaavya Singhal are on a visit to Lucknow,All of them have donated $20 each x3 toatal 60 dollars amounting to Rs,4000/-They saved this money from their pocket moneyKaavya gives a tuition to students & she out of her incme donated the money.Pl send email to them at the following emailID

nishchala.singhal@yhoo.com
shreyasinghal@yahoo.com
kaavyasinghal28@yahoo.com

I have transferred Rs.4000/- to your saving bank account with state bank of India on june 22nd 2016.Pl send receipt at the following address

S.P. Singhal
9,way Road, Gokhley Marg
Lucknow - 226001

बचपन में ही दान का महत्त्व समझाएँ

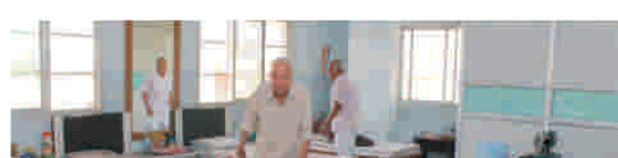

11000 रु. की संचित राशि से वृद्धाश्रम वासियों को हर साल एक निश्चित दिवस पर भोजन करवाएँ।

तारा संस्थान के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

तारा संस्थान ने 3 फरवरी, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। उद्घाटन के समय 25 वृद्ध लोगों के पूर्णतया निःशुल्क रहने की व्यवस्था थी। बुजुर्गों के इस घर में उन्हें आवास चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं और साथ में सम्मान के साथ अपनापन और प्यार भी दिया जाता है। 25 बेड से प्रारंभ हुए आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं क्योंकि जैसे जैसे नये बुजुर्ग आते गए उनको मना नहीं किया जाकर उनके लिए बेड बढ़ाते गए। लेकिन समस्या अब सामने आ रही है कि प्रतिमाह 2 के औसत से लोग जानकारी मांगते हैं या वृद्धाश्रम में आवास की इच्छा जताते हैं पर अब ज्यादा बेड खाली नहीं बचे हैं। समस्या के निदान के लिए संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। आशा है कि आप असहाय बुजुर्गों की इस आस में अपना छोटा सा सहयोग देकर कृतार्थ करेंगे।

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा रत्न : 1,00,000 रु. **भूमि सेवा मनीषी : 51,000 रु.** **भूमि सेवा भूषण : 21,000 रु.**

भूमि दान दाताओं की सूची

भूमि सेवा रत्न

- श्री मनोहर सिंह जी खमेसरा, कानपुर (उ.प्र.)
- श्री हुक्मी चन्द जी चन्दन मल जी बगड़ा, इम्फाल वेस्ट (मनीपुर)

भूमि सेवा मनीषी

- श्री पंकज कुमार एच. कपाड़िया, सूरत (गुज.)

भूमि सेवा भूषण

- श्रीमती अरुणा नारायण जी भावसर, ठाणे (महा.)
- श्री किशन चन्द्र जी अग्रवाल, मेरठ (उ.प्र.)
- उषा अग्रवाल – श्री संत कुमार जी अग्रवाल, बरेली (उ.प्र.)
- श्री के.एल. जी नागौरी, उदयपुर (राज.)
- श्री राधेश्याम जी पुत्र श्री मेघराजी – स्व. श्रीमती भगवानी देवी खुराणा, बीकानेर
- श्री सुरेश जी कालरा, नई दिल्ली
- श्री राजेश कुमार जी गुप्ता, फिरोजाबाद (उ.प्र.)
- श्री गौरव जी (सी.ए.), बदायूं (यू.पी.)
- मैसर्स जैनसन्स इंडिया, नई दिल्ली
- श्री बापू प्रसाद जी, श्री बालूराम जी शाह, अहमदाबाद (गुज.)
- स्व. श्री रघुनाथ जी – स्व. श्रीमती माया देवी, श्री अनिल जी गुप्ता, नई दिल्ली
- स्व. श्री अजय जी अग्रवाल, बरेली (उ.प्र.)
- आन्या जी भटिया, बरेली (उ.प्र.)
- श्री रामावतार छोटू लाल बंग, इच्छकरणजी (महा.)
- श्रीमती राधा रानी – श्री आर.डी. अग्रवाल, मुम्बई
- मैसर्स कृष्णा इलेक्ट्रिकल्स – हार्डवेयर, ठाणे (महा.)
- श्री सीताराम जी दरोलिया, वापी (गुज.)
- श्रीमती पुष्पा मोहन जी रेड्डी, मुम्बई (महा.)
- श्रीमती शांता देवी रतन लाल मालू, सांगली (महा.)
- श्री मुकेश जी गुप्ता, कोटा (राज.)
- श्री संतोष डोलिया निकू राशि, दिल्ली
- सरला जैन – श्री प्रकाश चन्द जी जैन, मेरठ (उ.प्र.)
- श्री एन. एन. जैन, आगरा (उ.प्र.)
- श्री आर. एस. सक्सेना, नई दिल्ली
- श्री सुरेश कुमार जी अग्रवाल, दिल्ली
- श्री आशाराम तावरी, राजनांदगाँव (छत्तीसगढ़)
- स्वर्णा कुमारी – श्री एम. नरसिम्हा जी राव, मुम्बई (महा.)
- श्री बसन्त लाल जी गागल, कुल्लू (हि.प्र.)
- श्री संतोष जी हाण्डा, दिल्ली

तारा संस्थान द्वारा संचालित एक और वृद्धाश्रम इलाहाबाद में।

इलाहाबाद के एल.आई.सी. कॉलोनी, टेगौर टाउन क्षेत्र में तारा संस्थान के एक और वृद्धाश्रम परिसर का निर्माण कार्य जोरों पर है। यहाँ लगभग 15 बेड के साथ हाल व 2 कमरों के साथ–साथ डाइनिंग हाल, किचन, मनोरंजन कक्ष तथा खुली छत का प्रावधान रखा गया है।

निर्माण कार्य के लगभग ढाई माह में सम्पन्न होने की अपेक्षा है।

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद व निकटवर्ती स्थानों के वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धाश्रम में आमंत्रण

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित आनन्द वृद्धाश्रम की एक और इकाई (ऊपर दिए गए समाचार में) इलाहाबाद में शीघ्र शुरू होने जा रही है। निकटवर्ती ग्रामीण व शहरों के निःसहाय वृद्धजनों, जिन्हें इस उम्र में कोई सहारा नहीं, वे इस आश्रम में निःषुल्क रह सकते हैं। खाने–पीने व स्वास्थ्य जाँच की भी सुविधा। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :– फोन नं. (0294) 3099959

भगवान सभी जगह नहीं हो सकते, इसलिए उसने माँएं बनाई।

मोतियाबिन्द जाँच – ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जुलाई – 2016 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06.07.2016	श्री छगन राज जी, निवासी – चैन्नई	95	07	22	41
13.07.2016	श्री मनोज कुमार – श्रीमती सुमित्रा शर्मा, निवासी – कोटा (राज.)	70	18	19	32
21.07.2016	भागीरथ एवं कम्पनी, चैन्नई	150	19	39	56

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

25.07.2016	जय श्री कृष्णा	17 ऑपरेशन

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.07.2016	श्री सत्यनारायण जी उपाध्याय, निवासी – सूरत (गुजरात)	भीण्डर, उदयपुर (राज.)	134	10	19	71
10.07.2016	श्रीमती अनिता – श्री राजेन्द्र कुमार सिंघल	पिलखुआ, गाजियाबाद	624	23	347	611
15.07.2016	श्रीमती सीता देवी – श्री छितरमल जी, निवासी – भीलवाड़ा	गुडली, उदयपुर (राज.)	130	08	17	56
17.07.2016	श्रीमती प्रेम जी निझावन, निवासी – जनकपुरी, नई दिल्ली	नांगलोई, नई दिल्ली	285	20	135	265
19.07.2016	राजस्थान क्लब एवं आस फाउण्डेशन	प्रीतमपुरा, दिल्ली	324	08	168	310
23.07.2016	श्रीमती सुषमा – श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	तुर्कमान गेट, दिल्ली	1005	32	570	989

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलवन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.07.2016	सचखण्ड नानक धाम (Regd.), इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)	472	28	286	438
17.07.2016	गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, अलि गंज लोधी रोड, नई दिल्ली	348	17	179	335

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री सत्यभूषण जैन के साथी
दिल्ली

श्री गोपाल दत्त बावरी
गाजियाबाद (यू.पी.)

श्री डूंगरमल जैन के साथी
झारखण्ड

श्री चन्द्र भन सोनवानी
नागपुर (महा.)

श्री विष्णु शरण सक्सेना
भोपाल (म.प्र.)

श्री बृजमोहन जी एवं मित्र
कोटा (राज.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

एस.एन.बी. इन्टरप्राइसेस प्रा. लि., नाथुपुर, सोनीपत (हरियाणा)

श्री रामस्वरुप – श्रीमती सुशीला बत्रा एवं सपरिवार

श्रीमती प्रेम जी निझावन (जनकपुरी, दिल्ली)

श्री अजित सिंह जी (मुनिरका, नई दिल्ली)

श्रीमती अंजली चटर्जी
मुम्बई

श्री संजय रमेश काबरा
एरंडोल, जलगाँव

श्री विजय कुमार अग्रवाल
हैदराबाद

श्री रविन्द्र कुमार भालोतिया
हैदराबाद

श्रीमती प्रेमवती अग्रवाल
मुम्बई

श्री प्रेम कुमार एवं श्रीमती
सुरेन्द्र बाला सांघी, हैदराबाद

श्री लक्ष्मीचन्द जैन
चैन्नई

श्री ज्वेरी चन्द जी
चैन्नई

श्रीमती इंदिरा जाजोदिया
मुम्बई

श्री अरविन्द कुचेरिया
हैदराबाद

श्रीमती मनोरमा धवल
बसन्त विहार, दिल्ली

श्री एवं श्रीमती मीरा मोहन रेड्डी
मुम्बई

जीवन चलने का नाम, चलते रहो सुबह-शाम

Thanks

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Ganesh & Mrs. Udi Bai Ganesh Suthar
Bilota - Rajasamand (Raj.)

Mr. Jai Singh - Mrs. Krishna Kumari Negi
Kinnour (HP)

Mr. Kulbhushan - Mrs. Asha Aggarwal
Jalandhar Cantt (Punjab)

Mr. Hanuman Prasad Kediya
Mrs. Devki Devi, Bhiwani (HR)

Mr. Narayan Singh - Mrs. Kala Devi Purohit
Chennai

Mr. Nagraj - Mrs. Aasha Devi Soni
Nagaur (Raj.)

Mr. Sanjeev - Mrs. Ragani Agrawal
Agra (UP)

Mr. Rajesh Kumar - Mrs. Sadhana Gupta
Firozabad (UP)

Mr. Chhaju Ram - Mrs. Mohni Devi
Bagad - Jhunjhunu (Raj.)

Mr. Babu Lal - Mrs. Pushpa Ben Shah
Shahi Bagh, Ahmedabad (Guj.)

Mr. Shishu Pai - Mrs. Prabha Devi
Kanwar, Kumarsen (H.P.)

Mr. Kanhaiya Lal Mundra
Lt. Amrita Devi, Goregaon (W), Mumbai

Mr. & Mrs. Ramesh Jain
Hyderabad

Mr. Shrichand - Mrs. Nirmala Ahuja
Surat (Guj.)

Mr. Balkishan - Mrs. Pooja Agrawal
Surat (Guj.)

Lt. Sh. Madan Gopal - Mrs. Kamlesh Jain
Jangpura - B, Delhi

Mr. Anil Kumar Jain With Family
Sonipat (Haryana)

Mr. & Mrs. Veena Jayanti Lal Vora
Mumbai

Mr. Mahesh - Mrs. Chandraknta Gehlot
Thana, Mumbai

Mr. & Mrs. Bhaverlal Ji Lohar
Mumbai

Lt Mr. Sampatlal Jain
Nagaur Prawasi
Delhi

Lt. Mrs. Umrav Devi
Pahadia Ji,
Imfal, Manipur

Lt. Mr. Pujya Sohan
Lal Ji Jain (Pahadia)
Kuchaaman City (Raj.)

Mrs. Vidya Devi
Delhi

Lt. Mr. Prithvi Raj Garg
Phagwara (Punjab)

Mrs. Durga Devi
Jalandhar (Punjab)

Mr. Tekchand Hemraj
Hosiyarpur (Punjab)

Mr. Kailash Agrawal
Surat (Guj.)

Mr. Satish Agrawal
Surat (Guj.)

(Punya Tithi)
Lt. Mr. Sanjay Chawla
Chandigarh

Mrs. Mohini Tamboli
Mumbai

Lt. Mrs. Mangi Bai
Thanna (Dhakad)
Dalota, Mandsaur (MP)

Mr. R.K. Bansal
Moga (Punjab)

Mr. Bhushan Lal Mehta
Jalandhar (Punjab)

Mr. Basant Lal Gaggal
Rampur (HP)

Mrs. Sushila Gaggal
Rampur (HP)

Lt. Mr. Paras Das Jain
Pitampura, Delhi

Lt. Mrs. Asarfi Devi Jain
Pitampura, Delhi

Mrs. Shanti Devi
Kapasera, New Delhi

Mr. Sushil Surana
Pali (Raj.)

Mrs. Alka Devi Surana
Pali (Raj.)

Ms. Riya Surana
Pali (Raj.)

Mrs. Ram Pyari Devi Modi
Jaipur (Raj.)

Mr. Mukesh Kumar
Sharma, Indore (MP)

Mr. Anand Swaroop Gupta
Vasundhara, Ghaziabad

Mr. Kartar Singh Yadav
Meerut (UP)

Mr. Govin Prasad Asava
Ajmer (Raj.)

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Dhanpal - Mrs. Keli Devi Meena
Sawaimadhopur (Raj.)

Mr. Mohan Lal - Mrs. Navarda Devi Gupta
Jaipur (Raj.)

Mr. Sujan Chandra - Mrs. Shanta Bai Parakh
Nawapara - Rajim (Chattisgarh)

Mr. Ramesh Kumar - Mrs. Sheela Agrawal
Varanasi (UP)

Mr. & Mrs. Satnam Singh
Pune (MH)

Mr. Gagan Kumar - Mrs. Jeevanlata Jain
Bikaner (Raj.)

Mr. Anoop - Mrs. Reena Agrawal
Khadki (HP)

Mr. Shankar Rao - Mrs. Kamla Bai Katarpawar
Nagpur (MH)

Mr. Vinod Shankar - Mrs. Savitri Gupta
Nagpur (MH)

Mr. Omprakash - Mrs. Vijaya Omprakash Rathi
Yavatmal (MH)

Mr. Madan Gopal Soni
Ulhasnagar - Thane

Mr. Suresh Kumar Ji
Gorakhpur

Mr. Seeta Ram Gupta
Meerut (UP)

Mrs. Sudarshan Gupta
Chandigarh

Mr. Subhash Chandr
Goel, Ghaziabad (UP)

Mr. Chiranjeev Prasad
Mathur, Kota (Raj.)

Mr. Chhaju Ji
Gurgaon

Mr. Ramesh Lal Ahuja
Satna (MP)

Mrs. Maya Ahuja
Satna (MP)

Mr. Shiv Kumar
Gorakhpur (UP)

Mrs. Kiran Lata
Agrawal, Kolkata

Mr. Jitendra Kuntal
Bharajpur (Raj.)

Mr. Hansraj Bhai Kachrola
Morbi

Mr. Swaroop Sadan
Ambala (HR)

Mrs. Padimini Dhare
Nagpur (MH)

Mr. Himmat Singh
Chaudhary, Adipur (Guj.)

Mr. Aniy Kumar Kabara

Mr. Kailash Chand
Kabara

Mr. Sanjay Ratanlal Jais
Nagpur

Mrs.Aruna R. Shukla
Rajkot (Guj.)

Mrs. Sumitra Walia
Hoshiyarpur, Punjab

Lt. Mr. Lal Chand Jain

Mr. Suresh Kumar Jain

Mrs. Veena Balasaria
Hyderabad

Mr. Jai Kishan Ji
Hyderabad

Mr. Hari Singh Deora
Dombivli (MH)

Mrs. Manohar Kunwar
Deora, Dombivli (MH)

कृपया आपश्री सहमति पत्रके साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केष/चैक/डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें। हस्ताक्षर

मैं अपने बच्चों को नहीं सिखाता की हिन्दू क्या है मुस्लिम क्या है।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Bharat Menaria
Area Mumbai
Cell : 07821855755

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 08866219767, 09829906319

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक - अगस्त, 2016
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.

11000 रु. की संचित राशि से वृद्धाश्रम वासियों को हर साल एक निश्चित दिवस पर भोजन करवाएँ।

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205 IFSC Code : ICIC0006935, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे	'आस्था भजन' प्रात: 8:40 से 9:00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
बुजुर्गों के लिए...
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org